राजस्थान में राहत कार्यों की राशि का दुरुपयोग

2355. **श्री हरी शंकर भाभड़ा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष राजस्थान सरकार को अकाल राहत कार्य के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा कितनी राशि प्रदान की गयी;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बाड़मेर में अकाल राहत कार्य में करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले को लेकर राजस्थान आसूचना विभाग के पुलिस अधीक्षक, श्री बी० पी० सिंह ने 22 अगस्त, 1982 को एक छापा डाला था और मामला दर्ज किया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है, यदि नहीं तो क्या सरकार इस मामले की जांच करने और इसकी ठीक-ठीक तथा विस्तृत जानकारी सभा पटल पर रखने का विचार रखती है ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी कमला कुमारी) : (क) 1981-82 के दौरान सूखे से राहत के लिए 87.828 करोड़ रुपये के व्यय की अधिकतम सीमा मंजूर की गई थी।

(ख) तथा (ग) राज्य सरकार से जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का "प्रयोग शाला से उपयोग तक" कार्यक्रम

2356. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गंगार दियारे के जमालपुर प्रखण्ड में कल्याण टोला के एकाकी क्षेत्र को अपने "प्रयोगशाला से उपयोग तक" कार्यक्रम में सम्मिलित करने का विचार रखती है जहां पर किसान गंगा में बाढ़ आने के पहले मकाई, मूंग और भिण्डी की फसल उगाना चाहते हैं ;

(ख) क्या सरकार प्रति एकड़ एक सौ मन से अधिक की फसल लेने में किसानों की सहायता करेगी क्योंकि रबी की विभिन्न फसलों—मकाई, मूंग और भिण्डी की एक सौ पैदावार नहीं होती ; और

(ग) सरकार दियारे में परवल की खेती और उत्पादन के विपणन में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों का सामना करने में किसानों की सहायता करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) जी नहीं, श्रीमान्।

(ख) भारत सरकार/भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् विभिन्न फसलों की अधिक उपज देने वाली किस्मों की अधिकतम उत्पादन क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक विस्तार कार्यक्रम चला रही है।

(ग) "परवल" की खेती में सुधार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अखिल भारतीय समन्वित सब्जी सुधार प्रयोजना के अन्तर्गत अनुसंधान कार्य कर रही है जिसका मुख्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नयी दिल्ली में है। "परवल" की उपज को सुधारने के के लिए मुख्य सुझाव यह है कि कम से

कम 2·5 प्रतिशत मेत स्टार्च रखे जाने चाहिए ताकि उचित परागण तथा फलोत्पादन सुनिश्चित हो सके। सिफारिश की गई विधियो को भी किसानो द्वारा पालन किया जाना चाहिए। राज्य सरकार को विस्तार मशीनरी किसानो को इन विषयों में शिक्षित करें।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा कृषि प्रदर्शन

2357. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या सरकार रबी की फसल की बुआई के मौसम को देखते हुए मुंगेर जमालपुर प्रखण्ड के कल्याण टोला पंचायत के एकाशी और बहियार ग्रामों मे गेहू, चना, जौ, मकई और परवल के सबंध मे कृषि प्रदर्शन आयोजित करने का विचार रखती है,

(ख) क्या उन ग्रामों के निकट सबौर कृषि कालेज दियारा है और परिणामस्वरूप उस कालेज के कृषि वैज्ञानिक अधिकाधिक प्रयोग करके अधिक अनुभव प्राप्त कर सकते है,

(ग) क्या अनेक प्रगतिशील किसान उक्त कार्यक्रम मे अपना सहयोग देने के लिये तैयार है, और

(घ) क्या भारतीय कृषि अनुसधान परिषद् इस सबंध मे आवश्यक कदम उठाने का विचार रखती है?

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) कृषि राज्य विभाग विभिन्न गांवो में अलग अलग फसलों पर प्रदर्शनों का आयोजन करता है। तथापि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अन्तर्गत चल रही अखिल भारतीय समन्वित दियारा अनुसधान प्रायोजना के बिहार कृषि महाविद्यालय सबौर भागलपुर स्थित मुख्यालय को सलाह दी गई है कि बालू वर्ग में मुंगेर जमालपुर का कल्याण टोला पचायत के एकाशी और बहियार व समीप के गावो मे सरसो और रबी मक्का पर परीक्षण किये जाये।

(ख) जी हा श्रीमान्।

(ग) जी हा, श्रीमान्। बिहार कृषि महाविद्यालय, सबौर भागलपुर के निकट के गावो में किये जाने वाले प्रयोग परीक्षण को चलाने हेतु प्रगतिशील किसानो का इस सबध मे आवश्यक सहयोग लेना संभव होगा।

(घ) जी हा, श्रीमान्। इस सबध मे राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति से पहले ही आवश्यक कदम उठाने के लिये निवेदन कर दिया गया है।

बाढ़ों और सूखे के कारण अनाज की पैदावार मे हानि

3258. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि हाल मे देश के विभिन्न भागो में आई बाढ़ों और सूखे के कारण अनाज के उत्पादन लक्ष्य मे कितनी मात्रा मे कमी पड़ेगी?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में उपमंत्री (कुमारी कमला कुमारी) : देश के विभिन्न भागो मे आई हाल की बाढों और सूखे के कारण खरीफ की फसलें प्रभावित हुई है। तथापि, फसल कटाई के परीक्षणों के परिणाम अभी प्राप्त होने हैं, अतः अनुमान बताना